लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक 1-15 अगस्त 2022 www.haryanasamvad.gov.in अंक -47

"ज्ञान एवं प्रगति के मार्ग की दो बड़ी बाधाएं हैं, आलस्य और घमंड।"

: आनंदमूर्ति

राष्ट्र को समर्पित तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं

3

पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा का संकल्प

5

आया सावन झूम के ..

8

15 अगस्त पर विशेष

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा

हर घर तिरंगा: देशभक्ति को मिलेगी शक्ति

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मनोज प्रभाकर

'ऐ मेरे वतन के लोगो, जरा आंख में भर लो पानी। जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुर्बानी।'

स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने स्व. प्रदीप द्वारा लिखा यह गीत सबसे पहले 27 जनवरी 1963 को दिल्ली के नेशनल स्टेडियम में गाया था। गीत बेशक पुराना है लेकिन इसकी व्यंजना आज भी उतनी ही प्रभावशाली है। गीत के बोल दिल को छू लेने और आत्मा में उतर जाने वाले हैं। जैसे ही इस गीत के स्वर कानों में पड़ते हैं तो रोयां-रोयां देशभक्ति के रस से सरोबार हो जाता है।

देश आजाद हो चुका था लेकिन उस दौर में संघर्ष की कहानियां और संस्मरण मध्यम नहीं हुए थे। पूरे अवाम में देशभक्ति का जज़्बा चरम पर था जिसकी प्रतिछाया तत्कालीन साहित्य और फिल्मों में देखने को मिल रही है।

आजादी के विषय पर 1957 में बनी फिल्म 'नया दौर' का गाना 'ये देश है वीर जवानों का, अलबेलों का मस्तानों का' आज भी लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना को तरोताजा कर देता है। साहिर लुधियानवी द्वारा लिखे इस गीत को मोहम्मद रफ़ी और बलबीर ने आवाज़ दी थी। 1967 में आई 'उपकार' फिल्म में महेंद्र कपूर द्वारा गाया गीत 'मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे मोती' जब भी, जहां बजता है, वहां की आबोहवा में राष्ट्रप्रेम की सुगंध घोल देता है।

इन्हीं भावों को स्पर्श करता एक गीत है 'अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो'। फिल्म 'हकीकत' के लिए मोहम्मद रफी द्वारा गाए गए इस गीत ने भी खूब सुर्खियां बटोरी। मशहूर गीतकार कैफ़ी आज़मी ने इस गीत के बोल लिखे थे। श्यामलाल पार्षद द्वारा लिखित लोकप्रिय गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा' अंग्रेजी हुकूमत ने बैन कर दिया था।

देशभक्ति के भावों का संचार करने वाले इन गीतों की श्रेणी में अनेक गीत हैं जिन्होंने देशवासियों के दिलों में राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रगाढ़ करने का काम किया और कर रहे हैं। किसी भी स्कूल, कालेज या अन्य प्रतिष्ठान में समारोह होता है तो इन गीतों को विशेषतौर से बजाया जाता है। राष्ट्रगान की मधुर लय लहराती हुई दिलों में उतरती है सिर स्वतः गर्व से ऊंचा हो जाता है।

देशवासियों में राष्ट्रभक्ति की लौ मध्यम न हो, इसे और बल मिले इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया जा रहा है। इस कड़ी में 'हर घर तिरंगा' एक विशेष अभियान है। गौरतलब है कि दिलो दिमाग में जब देश के प्रति निष्ठा की प्रधानता होती है तो समाज में एकता, प्रेम, सौहार्द, सहयोग एवं प्रगति का संचार होता है। नकारात्मक विचारों का वहां कोई स्थान नहीं रह जाता।

'हर घर तिरंगा' केंद्र सरकार का एक विशेष अभियान है। इससे देशवासियों में एक ओर जहां देशभक्ति का जज्बा गहरा होगा, वहीं पूरी दुनिया में भारत की एकता और अखंडता का संदेश भी जाएगा।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

आगामी 13 से 15 अगस्त तक देश के करीब 20 करोड़ घरों पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया जाएगा। हरियाणा में लगभग 60 लाख घरों पर तिरंगा फहराया जाएगा, इसके लिए नागरिकों द्वारा खरीद कर स्वेच्छा से राष्ट्र ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया जाएगा, न कि राज्य सरकार द्वारा तिरंगा खरीद कर उनको दिया जाएगा। गांव के सभी मोहल्लों व शहरों के सभी वार्डों तक विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से तिरंगा की बिक्री के प्रबंध किए जा रहे हैं।

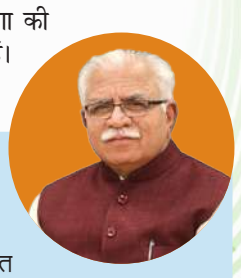

'हर घर तिरंगा' अभियान के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से हर गांव में प्रभात फेरियां निकाली जाएंगी और युवाओं को तिरंगा साइकिल रैली निकालने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। कालेजों व यूनिवर्सिटीज के युवाओं को भी 'हर घर तिरंगा' अभियान से जोडक़र विभिन्न गतिविधियां आयोजित करवाई जाएंगी।

- मनोहर लाल, मुख्यमंत्री

रायसीना हिल्स पहुंची द्रौपदी मुर्मू

उड़ीसा मयूरभंज जिले के सुदूरवर्ती गांव उपरबेड़ा की आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू देश की 15 वीं राष्ट्रपति निर्वाचित हुई हैं। मुख्य न्यायधीश एनवी रमना ने सोमवार को उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण के बाद केंद्रीय कक्ष में मुर्मू ने कहा कि उन्हें राष्ट्रपति के रूप में ऐसे कालखंड में चुना गया है जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। यह महज संयोग है कि देश जब आजादी के 50 वें वर्ष का पर्व मना रहा था तो उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी।

उन्होंने कहा कि उनका इस शीर्ष संवैधानिक पद पर निर्वाचन इस बात का प्रमाण है कि भारत में गरीब न केवल सपने देख सकता है बल्कि उन्हें पूरा भी कर सकता है। देश सही दिशा में प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर है।

नीरज ने फिर फहराया तिरंगा

पानीपत के नीरज चोपड़ा ने अमेरिका के यूजीन में आयोजित विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर फिर इतिहास रच दिया। उन्होंने प्रतियोगिता में 88.13 मीटर तक भाला फैंका। वे चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स से पीछे रह गए जिन्होंने 90.54 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता। नीरज विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले भारत के पहले पुरुष खिलाड़ी बने।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सफलता पर नीरज को बधाई दी। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि नीरज हमारे प्रतिभावान खिलाड़ियों में से एक हैं उनको ढेर सारी शुभकामनाएं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने नीरज को इसके लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा 'हरियाणा के लाल नीरज चोपड़ा देश का गौरव हैं। उन्होंने एक बार फिर देश और हरियाणा का नाम पूरे विश्व में रोशन किया है।'

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हमारा लक्ष्य हरियाणा को खेलों का हब बनाना है। इसके लिए नीरज चोपड़ा जैसे होनहार खिलाड़ी युवा पीढ़ी को प्रेरित करने का काम करेंगे । मुख्यमंत्री ने कहा कि नीरज चोपड़ा जैसे युवाओं के कारण ही हरियाणा खेलों में विश्व स्तर पर अपना परचम लहरा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा की खेल की दुनिया में आज हमने एक कदम और आगे बढ़ाया है। प्रदेश सरकार की नीतियों और हरियाणा के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की पूरे विश्व में चर्चा हो रही है।

-संवाद ब्यूरो

संपादकीय

खेलों का 'हब'

हरियाणा बन रहा है अब खेलों का 'हब'। अपने होनहार खिलाड़ियों के कारण आज पूरे विश्व में प्रदेश के युवा खिलाड़ियों की धाक है। राष्ट्रमंडल, एशियाड और ओलम्पिक में पुरस्कार एवं सम्मान लाने वालों को जितना प्रोत्साहन हरियाणा देता है, उतना और कहीं नहीं मिलता। विश्व एथलेटिक्स में पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा की उपलब्धि पूरे विश्व में चर्चा का विषय बनी हुई है।

प्रदेश सरकार की नीतियों और हरियाणा के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की पूरे विश्व में चर्चा है। प्रदेश सरकार ने उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित रोज़गार सुनिश्चित करने हेतु 'हरियाणा प्रतिभाशाली खिलाड़ी नियम-2018' बनाए हैं। उनके लिए खेल विभाग में 550 नए पद सृजित किए हैं। 7 मई, 2022 तक 156 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी गई है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश के बेटे-बेटियां राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में नाम रोशन कर देश/प्रदेश की शान बढ़ा रहे हैं। इसी कड़ी में अब खेल एवं युवा मामले विभाग ने खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए 10 डे-बोर्डिंग और 8 आवासीय अकादमियां शुरू की हैं।

चोपड़ा ने पिछले साल टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था और निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के बाद ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीतने वले वे पहले भारतीय हैं। 90.54 मीटर के साथ एंडरसन पीटर्स ने जीता स्वर्णगत चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने 90.21 मीटर से शुरुआत की और उसके बाद उन्होंने 90.46, 87.21, 88.11, 85.83 मीटर की दूरी तक भाला फेंका। पांच प्रयासों के बाद ही उनका स्वर्ण सुनिश्चित हो गया था, लेकिन उन्होंने छठे प्रयास में 90.54 मीटर भला फेंका, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। चोपड़ा ने ग्रुप-ए क्वालीफिकेशन में शुरुआत की और 88.39 मीटर का थ्रो किया था जो उनके करिअर का तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास था।

-डॉ. चन्द्र त्रिखा

सितंबर में होंगे पंचायत चुनाव

हरियाणा राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने कहा कि विकास तथा पंचायत विभाग द्वारा अधिसूचना जारी होने के उपरांत सितंबर महीने में निर्धारित कार्यक्रम अनुसार प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव करवाए जाएंगे।

धनपत सिंह ने कहा कि हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव करवाने के लिए कृतसंकल्प है। पंच का चुनाव मतपत्र से होगा जबकि जिला परिषद सदस्यों, पंचायत समिति सदस्यों और सरपंच के चुनाव ईवीएम के माध्यम से करवाए जाएंगे। उन्होंने सरकारी मशीनरी को दुरुस्त करने के निर्देश देते हुए कहा कि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। सभी अधिकारी व कर्मचारी निष्पक्ष रहकर ड्यूटी करें और पंचायती राज चुनाव के नियमों व अधिनियम का पालन करें।

धनपत सिंह ने कहा कि संवेदनशील व अति संवेदनशील बूथों पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। चुनाव के दौरान अवैध शराब पर पूरी नज़र रखी जाए। चुनाव से संबंधित जो चुनाव सामग्री स्थानीय स्तर पर खरीदी जानी है उसकी समय रहते व्यवस्था कर लें। उन्होंने कहा कि ईवीएम मशीन को चलाकर देख लें ताकि चुनाव के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न आए। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता का ध्यान रखा जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई अयोग्य उम्मीदवार चुनाव न लड़ सके।

विशेष पुलिस अधिकारियों की भर्ती की तैयारी

हरियाणा सरकार ने पुलिस बल को और मजबूत करने और राज्य में होने वाली अप्रिय घटनाओं को प्रभावी ढंग से रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 2000 विशेष पुलिस अधिकारियों की भर्ती करने का निर्णय लिया है।

मंत्रिमंडल की बैठक में कांस्टेबल के रिक्त पदों के विरूद्ध हरियाणा पुलिस अधिनियम, 2007 की धारा 21 के प्रावधानों के तहत 2000 एसपीओ को भर्ती करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। एसपीओ को एक वर्ष की अवधि के लिए या नियमित आधार पर नियुक्ति की तिथि तक, जो भी पहले हो, तक नियोजित किया जाएगा।

एसपीओ का चयन एक बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा जिसमें अध्यक्ष के रूप में जिला पुलिस अधीक्षक, संबंधित जिले के एक पुलिस उपाधीक्षक सदस्य होंगे। चयन में सेना/केन्द्रीय अर्ध-सैनिक बलों के भूतपूर्व सैनिकों और निरस्त एचएसआईएसएफ /एचएपी बटालियनों के पूर्व कांस्टेबलों को वरीयता दी जाएगी।

भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता सभी श्रेणियों के लिए मान्यता प्राप्त बोर्डों से 10+2 होगी। चयनित एसपीओ को उनके गृह पुलिस थानों में तैनात नहीं किया जाएगा, लेकिन जहां तक संभव हो, उन्हें उनके निवास स्थान के पास के पुलिस थानों में तैनात करने का ध्यान रखा जाएगा।

अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के सदस्यों को यथासम्भव राज्य सरकार की नीति के अनुसार पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया जायेगा। साथ ही, नियुक्त एसपीओ के पास एक सामान्य पुलिस अधिकारी के समान शक्तियां, विशेषाधिकार और उन्मुक्तियां होंगी और वे समान कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के लिए उत्तरदायी होंगे ।

अग्निवीरों की भर्ती के लिए रैलियां

हरियाणा में वर्ष 2022-23 की सेना भर्ती रैली की तैयारियां लगभग पूरी की जा चुकी हैं और जल्द ही 4 जिलों में भर्ती रैलियों का आयोजन किया जाएगा। केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के तहत हिसार में 11 अगस्त से 25 अगस्त, 2022 तक भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। उसके बाद अंबाला, भिवानी और रोहतक में भी भर्ती रैलियों का आयोजन किया जाएगा।

दसवीं की छात्रा अंजलि को मुख्यमंत्री ने दी बधाई

सीबीएसई दसवीं कक्षा में 100 प्रतिशत अंक लेने वाली महेंद्रगढ़ की छात्रा अंजलि को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने फोन पर बधाई दी। उनकी इस सफलता पर सीएम ने उनको दो साल तक 20 हजार रुपए प्रति माह छात्रवृत्ति देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉल के माध्यम से छात्रा अंजलि और उनके परिजनों को हार्दिक बधाई दी।

अंजलि ने कहा कि वह डाक्टर बनना चाहेगी। इसके लिए मदद एवं मार्गदर्शन की जरुरत रहेगी। इस पर सीएम ने अंजलि को आश्वासन दिया कि भविष्य में वह जहां भी दाखिला लेना चाहेंगी उसके लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
संपादकीय टीम : संगीता शर्मा, सुरेंद्र मलिक
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

प्रदेश को मिलेगा विधानसभा का नया भवन

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा को जल्द ही विधानसभा का नया भवन भी मिलेगा। इस पर सहमति बन गई है, कागजी प्रक्रिया को जल्द पूरा कर लिया जाएगा। नया भवन बनने के बाद हरियाणा विधानसभा का मौजूदा भवन भी रहेगा, दोनों भवनों में अपनी तरीके से कामकाज किया जाएगा। विधानसभा के नए भवन की जरुरत महसूस की जा रही थी। भविष्य में विधायकों की संख्या बढ़ती है तो मौजूदा विधानसभा में सीटें बढ़ाने की भी जगह नहीं है। इसके चलते नई विधानसभा बनाने का फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा विधानसभा का सुंदर भवन तैयार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि आगामी विधानसभा सत्र में ई-विधानसभा की झलक देखने को मिलेगी। विधानसभा में विधायकों के सामने टैबलेट की स्क्रीन नजर आएगी। इसे अपनाने में शुरूआत में झिझक जरुर होगी लेकिन धीरे-धीरे प्रयास करेंगे तो इसमें पारंगत होंगे। उन्होंने कहा कि ई-विधानसभा पर्यावरण के नाते से भी उपयोगी साबित होगी, यह व्यवस्था विधानसभा को पेपरलैस बनाएगी। इससे कागज की बचत होगी और पेड़ बचाए जा सकेंगे।

स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि विधानसभाओं का पूरा सिस्टम डिजिटल और पेपरलैस किया जाए। हरियाणा विधानसभा ने इसी दिशा में कदम बढ़ाया है। इसके लिए 60 प्रतिशत खर्च हरियाणा सरकार करेगी जबकि 40 प्रतिशत खर्च संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बहुत सी विधानसभाएं डिजिटल हो चुकी हैं, इनमें हिमाचल, नागालैंड और उत्तर प्रदेश की विधानपरिषद शामिल हैं।

-संवाद ब्यूरो

मानसून सत्र 8 अगस्त से शुरू

हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र आठ अगस्त से शुरू होगा। इस प्रस्ताव को हरियाणा कैबिनेट की बैठक में स्वीकृति दी गई । मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में हरियाणा कैबिनेट की बैठक संपन्न हुई। जिसमें विधानसभा के मानसून सत्र की तिथि तय की गई। सत्र की अवधि का निर्णय हरियाणा विधानसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी करेगी।

चालक व आत्मरक्षा प्रशिक्षण लेने की इच्छुक महिलाएं 22 अगस्त, 2022 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। आवेदन के साथ वांछित प्रमाण पत्रों की सत्यापित प्रतियां ईमेल 1982whdc@gmail.com के माध्यम से भेजने होंगी।

प्रदेश के किसानों को जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए पोर्टल बनाया गया है। किसान स्वेच्छा से पोर्टल पर अपलोड कर अपनी कृषि भूमि से जल निकासी करवा सकते है।

राष्ट्र को समर्पित तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं

गुरुग्राम से 3450 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए 3 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण हो गया। इनमें गुरुग्राम से सोहना ऐलिवेटिड हाईवे, एनएच -11 पर रेवाड़ी से अटेली मंडी चार मार्गीय सड़क मार्ग तथा खेरड़ी मोड़ से भिवानी बाईपास होते हुए हालुवास गांव तक चार लेन परियोजना शामिल हैं। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ इन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण किया।

गडकरी ने कहा कि हरियाणा में लगभग 50 हजार करोड़ रुपए की लागत से राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने इन परियोजनाओं का उल्लेख भी किया और बताया कि एक हजार 15 किलोमीटर ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे तथा ग्रीन फील्ड कोरिडोर का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि उनका सपना है कि नरीमन प्वाइंट से गुरुग्राम तक 12.5 घंटे में पहुंचना चाहिए। लगभग एक लाख करोड़ रुपए की लागत से दिल्ली -मुंबई एक्सप्रेस-वे का निर्माण तीव्र गति से चल रहा है और यह एक्सप्रेस-वे गुरुग्राम जिला में सोहना से शुरू होता है।

रेलवे फाटकों पर आरओबी का निर्माण

हरियाणा में राष्ट्रीय राजमार्गों का जाल बिछाया जा रहा है इससे देश-विदेश के निवेशक हरियाणा में निवेश करने के लिए और अधिक आकर्षित होंगे। प्रदेश में सभी रेलवे फाटकों पर रेलवे ओवरब्रिज अथवा रेलवे अंडरब्रिज बनाए जा रहे हैं। पिछले 8 वर्षों में प्रदेश में 58 आरओबी अथवा आयूबी का निर्माण पूरा किया जा चुका है और 45 आरओबी अथवा आरयूबी का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

गुरुग्राम में बनाया गया एनएच-248ए दिल्ली-गुरुग्राम हाईवे को दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेस वे से जोड़ता है। इससे गुरुग्राम से सोहना के बीच की यात्रा के समय में भी कमी आएगी। जहां पहले गुरूग्राम से सोहना जाने में एक घंटे का समय लगता था, वहीं अब मात्र 15 मिनट में सोहना पहुंचा जा सकता है। एक अनुमान के अनुसार वर्तमान में राजीव चौंक से सोहना लगभग 20 हजार वाहन गुजरते हैं और इन वाहनों की संख्या आगे भी बढ़ेगी। इस तथ्य को मद्देनजर रखते हुए सीएम मनोहर लाल ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से कहा कि जिस प्रकार से उन्होंने चैन्नई में चार लेयर की सड़क बनाई हैं उसी तर्ज पर हमारे यहां भी दो -तीन व चार लेयर की सड़के बनवाएं ताकि वाहनों की बढ़ती संख्या से ट्रैफिक जाम की समस्या भविष्य में ना हो।

प्रदेश के 12 शहरों में नए बाईपास निर्माणधीन

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गुरूग्राम आज भारत वर्ष का ही नही दुनिया का विख्यात सिटी बन गया है। गुरुग्राम को ट्रैफिक जाम से मुक्त करने में सहयोग देने के लिए उन्होंने केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया और कहा कि इन्फास्ट्रक्चर में सुधार करने की आपकी काबिलियत से ही आपको 'फलाईओवर मैन' तथा 'हाईवे मैन' कहा गया है। उन्होंने हरियाणा में सड़क इन्फास्ट्रक्चर सुधार का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश के 12 शहरों में 950 करोड़ रुपए की लागत से नए बाईपास निर्माणधीन हैं।

योजना: ग़रीब विद्यार्थियों के लिए वरदान 'चिराग़'

हरियाणा सरकार प्रदेश के सभी बच्चों को समान एवं बेहतर शिक्षा देने के लिए कटिबद्ध है। हरियाणा एक ऐसा राज्य है जहां गरीब विद्यार्थियों की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए मौजूदा सत्र से कक्षा दूसरी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों को मान्यता प्राप्त प्राइवेट विद्यालयों में पढ़ने का समान अवसर प्रदान किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में मुख्यमंत्री समान शिक्षा राहत, सहायता एवं अनुदान (चिराग़) महत्वाकांक्षी योजना शुरू की गई है।

प्रदेश के इस बार के बजट (2022-23) में 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक अकेले शिक्षा के क्षेत्र पर खर्च किए जा रहे हैं। इसी के तहत प्रदेश सरकार सभी बच्चों को समान शिक्षा का अधिकार प्रदान करने के लिए नई-नई योजनाएं व कार्यक्रम शुरू कर रही है। (चिराग़) योजना भी प्रदेश के गरीब अभिभावकों के बच्चों के लिए शुरू की गई ऐसी ही योजनाओं में से एक है। इस योजना के तहत निजी विद्यालयों की सहमति से ऐसे बच्चों जिनके माता-पिता/ अभिभावकों की वार्षिक सत्यापित आय एक लाख 80 हजार रुपए से कम है और वे बच्चे सरकारी विद्यालयों में पढ़ रहे हैं उनके दाखिले इन निजी विद्यालयों में कक्षा दूसरी से बारहवीं तक किए जाएंगे।

योजना के तहत कक्षा दूसरी से पांचवीं तक प्रति छात्र 700 रुपए, कक्षा छठी से आठवीं तक प्रति छात्र 900 रुपए एवं कक्षा नौवीं से बारहवीं तक प्रति छात्र 1100 रुपए प्रति माह की दर से प्रतिपूर्ति राशि या फार्म 6 में घोषित शुल्क राशि, जो भी कम होगी वह विद्यालयों को अदा की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत प्रदेश के 381 निजी मान्यता प्राप्त विद्यालयों द्वारा 24987 सीटों पर छात्रों को दाखिले देने की प्रक्रिया जारी है।

विद्यार्थियों को हर संभव मददः सीएम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में सभी सरकारी विद्यालयों में कक्षा पहली से बारहवीं तक कोई फीस नहीं ली जाती। गौरतलब है कि कक्षा पहली से आठवीं तक वर्दी, पाठ्य-पुस्तकें, कार्य पुस्तकें, स्टेशनरी, स्कूल बैग एवं दोपहर का भोजन निशुल्क उपलब्ध करवाया जा रहा है। अंग्रेजी माध्यम के बैग फ्री संस्कृति मॉडल विद्यालयों में ऐसे सभी विद्यार्थियों जिनके जिनके माता-पिता/ अभिभावकों की वार्षिक सत्यापित आय एक लाख 80 हजार रुपए से कम है उनके लिए भी लगभग निशुल्क शिक्षा की व्यवस्था है।

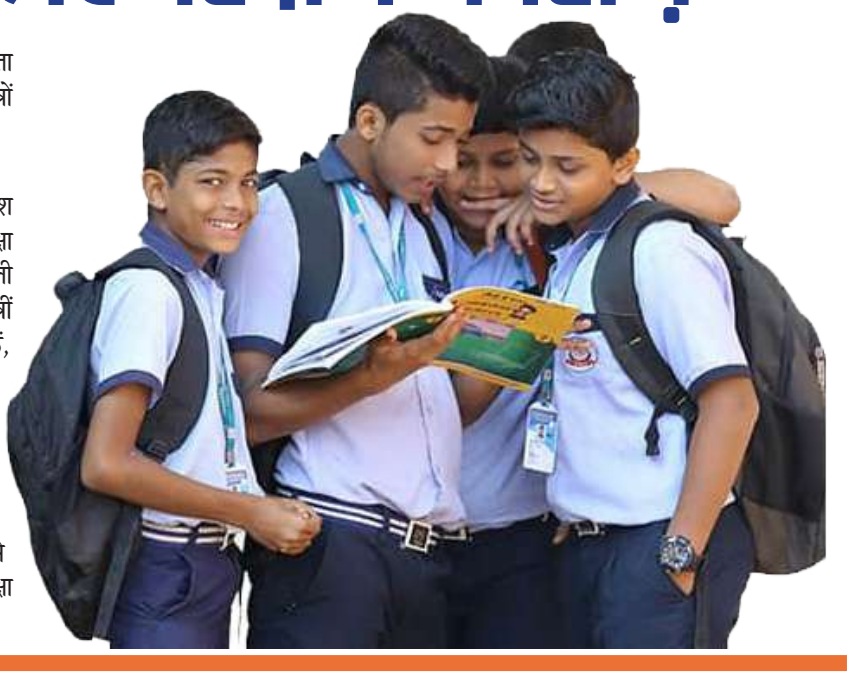

अग्निवीर योजना के तहत भर्ती के लिए छह जिलों के लिए पंजीकरण 5 अगस्त से 3 सितंबर 2022 तक होने वाली है। योग्य लाभार्थी स्वयं का joinindianarmy.nic.in वेबसाइट पर पंजीकरण करवा सकते हैं।

नीति आयोग के इंडिया इनोवेशन इंडेक्स 2021 में प्रमुख राज्यों में हरियाणा शीर्ष राज्यों में शामिल हो गया है। इस इंडेक्स में हरियाणा को तीसरा स्थान हासिल हुआ है।

पशुओं की नस्ल सुधारने के लिए बनेगा उत्कृष्टता केंद्र

किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ब्राजील के सहयोग से हिसार में पशुओं की नस्ल सुधार के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा। पशुओं के आहार में प्रोटीन की मात्रा को बढाने के लिए कनाडा की कंपनी द्वारा एक सेंटर राज्य में खोला जाएगा।

कृषि मंत्री जेपी दलाल बताया कि ब्राजील में वर्ष 1911 में भावनगर के राजा ने गिर नस्ल की गायों को दान के स्वरूप ब्राजील को दिया था और उसके बाद ब्राजील ने इन गायों की नस्ल सुधार में काम किया गया। उन्होंने कहा कि ब्राजील में गिर गाय की नस्ल में सुधार कर गिरलैंडो नस्ल को तैयार किया गया है जो औसतन 15 लीटर दूध देती हैं जिसमें 99 प्रतिशत जेनेटिक्स हमारे देश की गिर गाय के पाए जाते हैं। दलाल ने कहा कि गिर गाय की नस्ल सुधार की तर्ज पर देसी, हरयाणा, साहीवाल और राठी गाय की नस्लों में सुधार हो सकता है।

उन्होंने कहा कि स्वदेशी नस्ल की गायों के विकास हेतु एम्ब्रापा, ब्राजील के सहयोग से हरियाणा में उत्कृष्ठता केन्द्र की स्थापना की जाएगी। ब्राजीलियन एसोसिएशन ऑफ जेबू ब्रीडर्स (एबीसीजेड) से गिर जर्मप्लाज्म का

आयात किया जाएगा। इसके अलावा, ब्राजील की एक जीनोमिक्स कम्पनी एल्टा जैनेटिक्स को गुणवत्ता वाले मुर्राह जर्मप्लाज्म के निर्यात की संभावनाएं तलाशी जाएगी।

कनाडा दौरे के संबंध में उन्होंने बताया कि राजकीय पशुधन फार्म, हिसार में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) से सुअर पालन (200 क्षमता प्रजनन फार्म) के लिए उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना करना, राजकीय पशुधन फार्म, हिसार में स्वच्छ दूध उत्पादन हेतु आधुनिक प्रबन्धन डेयरी फार्म प्रथाओं सहित अत्याधुनिक डेयरी फार्म स्थापित करना, स्वदेशी गायों और भैंसों के लिए हिसार में सैक्सड सोर्टिड सीमन संस्थान की स्थापना हेतु सीमेक्स जेनेटिक्स से सहयोग मिलेगा।

कनाडा की कंपनी ने जताई निवेश की इच्छा

कनाडा की प्रोविटा न्यूट्रिशन कंपनी ने हरियाणा में निवेश करने की इच्छा जताई है। कंपनी राज्य में निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए अगले माह अगस्त में दौरा करेगी। कृषि एवं पशुपालन मंत्री जे.पी दलाल की अध्यक्षता में कनाडा गए प्रतिनिधिमंडल ने यूनिवर्सिटी ऑफ सास्काचेवान के रेनेर डेयरी रिसर्च फैसिलिटी का दौरा किया। उन्होंने डेयरी अनुसंधान केंद्र में रोबोटिक मिल्किंग पार्लर के साथ 200 होल्स्टीन फ्रेज़ियन गाय डेयरी फार्म की अत्याधुनिक सुविधा को भी देखा। उन्होंने आधुनिक कृषि प्रबंधन प्रैक्टिस वाले डेयरी फार्म का भी दौरा किया और कहा कि देशी गायों, भैंसों और विदेशी पशुओं के लिए इसी तरह की आधुनिक डेयरी फार्म सुविधा हिसार के पशुधन फार्म में स्थापित करने पर संभावनाएं तलाशी जाएंगी।

-संवाद ब्यूरो

अनाज भंडारण के लिए साइलो तकनीक बेहतर

विदेशी दौरे से लौटकर सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने साझा की जानकारी

हरियाणा सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल यूरोप के देश इटली और जर्मनी गया। प्रतिनिधिमंडल ने इटली और जर्मनी के कई शहरों में साइलो बनाने वाली बड़ी-बड़ी कंपनियों का जायजा लिया। अनाज को ख़राब होने से बचाने के लिए किस तरह साइलो में भंडारण किया जाता है, इस तकनीक को अच्छे से समझा। प्रतिनिधिमंडल ने उन किसानों से भी बातचीत की, जिनका अनाज खेत से सीधे साइलो में पहुंचता है।

सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि हरियाणा सरकार का लक्ष्य प्रदेश में भंडारण व्यवस्था को मज़बूत करते हुए अनाज को ख़राब होने से बचाना है। भविष्य में इन अत्याधुनिक साइलो तकनीक को हरियाणा में स्थापित किया जाएगा।

आर्गेनिक खेती की तरफ़ बढ़े किसान

इटली और जर्मनी में किसान आर्गेनिक खेती की तरफ़ बढ़ रहे हैं। हमारे यहां भी किसानों को आर्गेनिक खेती की तरफ़ बढ़ना चाहिए। शुरुआत में इस खेती से पैदावार ज़रूर कम होती है लेकिन प्रदेश सरकार अलग-अलग योजनाओं के तहत किसानों को प्रोत्साहित कर रही है। भविष्य में यदि किसान आर्गेनिक खेती की तरफ़ बढ़ते हैं तो इस तरफ़ भी प्रदेश सरकार कोई नई योजना लेकर आ सकती है। इससे आमदनी के साथ-साथ लोगों को अच्छा स्वास्थ्य भी मिलेगा।

कॉन्ट्रैक्ट फॉर्मिंग बेहतर विकल्प

डा. बनवारी लाल ने कहा कि कॉन्ट्रैक्ट फॉर्मिंग में सोलर प्लॉट, राइस प्लॉट, गेहूं प्लॉट आदि लगाकर भी मुनाफ़ा कमाया जा सकता है। विदेश में सरसों की तरह के पौधे रेपसीड से तेल, खल और बॉयो डीजल बनाया जाता है। हमने भी प्रदेश में सरसों पर शोध करके बॉयो डीजल के विकल्प को तलाशने का कार्य शुरू किया है। उन्होंने कहा कि किसानों मुनाफ़ा कमाने के लिए अपनी फसल को सीधे मंडी या बाज़ार में बेचने की बजाए खुद एफपीओ बनाकर फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर सकते हैं। सरकार ऐसी फूड प्रोसेसिंग यूनिट को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र में उत्पाद आधारित खंड स्तरीय कलस्टर स्थापित कर रही है।

टिब्बों व बरानी क्षेत्र की फसल ग्वार

प्रदेश के टिब्बों वाले क्षेत्र में किसानों की भरोसेमंद फसल है ग्वार। बड़े हिस्से में किसान इसी फसल की खेती करते है। इस फसल में नाईट्रोजन की मात्रा ज्यादा होती है। कुछ लोग इसका इस्तेमाल दाल और सूप बनाने में भी करते हैं।

प्रदेश के हिसार, भिवानी, गुरुग्राम, फतेहाबाद, सिरसा, महेंद्रगढ़ व कैथल ऐसे जिले हैं जहां किसान इस फसल की खेती में रूचि लेते हैं। इन जिलों के लिए ग्वार की फसल बहुत ही लाभदायक मानी जाती है। कृषि वैज्ञानिक मानते हैं कि इससे किसान सालाना लाखों रुपए की कमाई कर सकते हैं।

जुलाई-अगस्त का महीना इस फसल की बिजाई का है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सेवानिवृत वैज्ञानिक डा. बीडी यादव और कृषि विभाग के अधिकारी ग्वार की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

पूसा सदाबहार किस्म सीधी और लंबी बढ़ने वाली किस्म है। इसे गर्मियों और खरीफ मौसम के लिए अनुशंसित किया जाता है। इसमें फली 15 सेमी लंबी और हरे रंग की होती है। पूसा मौसमी यह अधिक उपज देने वाली किस्म खरीफ के मौसम के लिए अच्छी है। इस किस्म की फली 10 से 12 सेमी लंबी होती है और 75 से 80 दिनों में कटाई शुरू हो जाती है।

ग्वार की खेती गर्मी के मौसम में की जाती है। इसमें बीज दर 14 से 24 किलो बीज प्रति हेक्टेयर के लिए पर्याप्त जलवायु के आधार पर दो पंक्तियों के बीच 45 से 60 सेमी और पौधे की दूरी 20 से 30 सेमी होनी चाहिए। कुछ किसान 45 सेंटीमीटर की पौध बोते हैं। यदि ग्वार को फलियों की शुष्क भूमि की फसल के रूप में उगाया जाता है, तो उसे अधिक उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती है। नाईट्रोजन बड़ाने में भी यह फसल सक्षम है।

कुछ जगहों पर जहां किसान इसे चारे के रूप में प्रयोग करते हैं वहीं कुछ लोग ग्वार को हरी सब्जी के रूप में भी इस्तेमाल करते हैं। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार किसानों को बिजाई से पूर्व अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच करानी चाहिये।

बहादुरगढ़ में कृषि विभाग के एसडीओ रमेश लाठर ने बताया कि पशुओं को ग्वार खिलाने से उनमें ताकत आती है। दूधारू पशुओं की दूध देने की क्षमता में वृद्धि होती है। ग्वार से गोंद का निर्माण भी किया जाता है 'ग्वार गम' का उपयोग अनेक उत्पादों में होता है ग्वार फली से स्वादिष्ट सब्जी बनाई जाती है।

-सुरेंद्र सिंह मलिक

प्रदेश में सिंगल यूज प्लास्टिक की शिकायत दर्ज़ करने के लिए सिटीजन मोबाईल एप फॉर कम्पलेंट मैनेजमेंट सिस्टम लांच किया। इसके माध्यम से कोई भी नागरिक प्लास्टिक के बारे में ऑनलाईन शिकायत दर्ज करवा सकते है।

मलेरिया को समाप्त करने की दिशा में राज्य के सात जिलों को वर्ष 2021 के दौरान 'ज़ीरो इंडीजीनियस केस स्टेटस' प्राप्त हुआ है अर्थात राज्य के इन सात जिलों में रहने वाले हरियाणा के निवासियों में मलेरिया बीमारी नहीं हुई है।

पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा का संकल्प

हरा भरा रहे हरियाणा

मनोज प्रभाकर

जिस प्रकार जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती उसी प्रकार पेड़ों के बिना भी जीवन की कल्पना बेमानी है। पेड़ हमें सांस देते हैं, प्राण वायु इन्हीं से मिलती है। ये ना हों तो सांस अपनी राह भटक जाएं, दिलों का धड़कना बंद हो जाए। इनसे मिलने वाली आक्सीजन न मिले तो कोहराम मच जाए, जिसका एक ट्रेलर कोरोना काल में हम सब देख चुके हैं।

महात्मा बुद्ध को पेड़ के नीचे ही ज्ञान की प्राप्ति हुई थी तथा भगवान श्री कृष्ण ने वट वृक्ष के नीचे ही गीता का ज्ञान दिया था। इसके अलावा संत और सन्यासियों ने वृक्षों के नीचे ही तपस्या की थी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वनों में भगवान का वास होता है। उन्होंने इसे समझाते हुए कहा कि भ से भूमि, ग से गगन, वा से वायु और न से नीर इसका अर्थ है। ये सभी तत्व वनों में मिलते हैं। उन्होंने कहा कि वनों में पंचतत्त्व भी होते हैं। वन से वायु मिलती है, लकड़ी से आग जलती है। वन इस पृथ्वी पर उगते हैं और वनों की वजह से वर्षा होती है और हमें जल मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेड़ों में जीव होते हैं। हमें जीवों को बचाना है तो वनों को बचाना होगा। हर व्यक्ति दृढ़ संकल्प ले कि वह कम से कम एक पौधा जरुर लगाएगा और उसे पेड़ बनने तक सुरक्षित रखेगा।

हरियाणा सरकार ने पेड़ों से लगाव रखने वाले और पर्यावरण को संरक्षित करने वाले लोगों के लिए 'दर्शनलाल जैन पर्यावरण अवॉर्ड' की शुरुआत की है, भविष्य में पर्यावरण से जुड़े अवॉर्ड का और विस्तार किया जाएगा।

वन महोत्सव पर आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि कालांतर में इस पृथ्वी पर सबसे पहले वन उगे होंगे, पृथ्वी की जितनी आयु है उतनी वनों की आयु होगी। अभी तक के शोध से पता चला है कि वन किसी और गृह पर नहीं है, यह सिर्फ पृथ्वी पर हैं । हमें ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने चाहिए और

इनकी रक्षा व सुरक्षा करनी चाहिए।

पौधे लगाने का उपयुक्त समय

पौधे लगाने का यह सबसे अनुकूल समय है। जुलाई, अगस्त और सितंबर में बारिश होती है। ऐसे में हमें ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने चाहिए। सरकार हर वर्ष पौधे लगाती है। इस वर्ष भी दो करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। मौजूदा समय में हरियाणा का वन क्षेत्र 7.14 प्रतिशत है। इसे 20 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाना बड़ा जरूरी है और यह जिम्मेवारी हम सबकी बनती है। हरियाणा सरकार ने बागवानी करने वाले किसानों को एक एकड़ में बाग लगाने पर 10 हजार रुपए प्रति एकड़ तीन साल तक मुआवाजा देने की योजना भी शुरू की है।

पतंजलि योग पीठ के सहयोग से मोरनी क्षेत्र के 50 हजार एकड़ में औषधीय पौधे लगाए जाने की योजना बनाई गई है। इस योजना से वहां के किसानों को लाभ मिलेगा। औषधीय पौधे हमारे काम आते हैं और जीवन रक्षक का कार्य करते हैं।

वृक्षों के लिए शुरू की पेंशन

हरियाणा में 75 साल से अधिक आयु के वृक्षों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए 'प्राणवायु देवता' पेंशन स्कीम शुरू की गई है। इस योजना के तहत 75 साल से अधिक आयु के वृक्षों के रखरखाव के लिए 2500 रुपए प्रति वर्ष प्रति पेड़ पेंशन का प्रावधान किया गया है। इसमें बुढ़ापा सम्मान पेंशन के अनुसार हर वर्ष बढ़ोतरी भी की जाएगी। फोरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट इनकी आयु की वेरिफिकेशन करेगी।

तालाबों पर त्रिवेणी

प्रधानमंत्री ने आजादी के 'अमृत महोत्सव' के अवसर पर 'अमृत सरोवर' की एक महत्वपूर्ण योजना की शुरुआत की है। जोहड़ हरियाणा के गांववासियों की जीवन रेखा है और इनको पूजा जाता है। इन जोहड़ों पर अब छायादार वृक्ष नहीं हैं। अतः इसी कड़ी में राज्य के 22 जिलों के 2200 जोहड़ों पर बड़, पीपल, नीम और पिलखन के पौधे रोपित किए गए।

बनाए जाएंगे आक्सीवन

आक्सीवन योजना के तहत पांच एकड़ से 100 एकड़ पर सैकड़ों की संख्या में पेड़ लगाए जाएंगे। अभी तक पंचकूला, करनाल, सोनीपत और यमुनानगर में आक्सीवन बनाए गए हैं। भविष्य में इसे और जगहों पर भी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा की पेड़ बहुत कीमती हैं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी वृक्षों की महिमा को सम्मान दिया है और एक वृक्ष की कीमत पूरे 72 लाख मानी है। उन्होंने कहा कि हमें पेड़ों को संरक्षित करना चाहिए। किसी पेड़ को यदि कोई बीमारी है तो तत्काल वन विभाग को सूचित किया जाए।

पराली न जलाएं

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुग्राम में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि किसान पराली ना जलाएं क्योंकि पराली से ईंधन बनता है। पराली की 2 हजार रुपए प्रति टन की कीमत मिलेगी और उससे बिटूमिन बनेगा जिसे खरीदने के लिए एनएचएआई तैयार है। उन्होंने इथेनॉल के प्रयोग पर भी बल दिया और कहा कि हरियाणा में डीजल व पैट्रोल के पंप के स्थान पर इथेनॉल के पंप लगवाएं और सभी इथेनॉल से गाड़ियां चलाएं। इससे वाहन चालको का आधा पैसा बचेगा और प्रदूषण से भी राहत मिलेगी।

हरियाणा में बच्चों को विज्ञान शिक्षा के प्रति ज़ागरूक करने और आम जनमानस को विज्ञान के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से गुरुग्राम में साइंस सिटी की स्थापना की जाएगी, जो लगभग 50 एकड़ भूमि पर केंद्र सरकार के सहयोग से विकसित होगी।

बेटे-बेटियां राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में नाम रोशन कर तिरंगे की शान बढ़ा रहे हैं। इसी कड़ी में अब खेल एवं युवा मामले विभाग ने खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए 10 डे-बोर्डिंग और 8 आवासीय अकादमियां शुरू की हैं।

प्रदूषण होगा कम, बढ़ेगा रोज़गार

हरियाणा में जल्द लागू होगी वाहन स्क्रैपिंग पॉलिसी

संगीता शर्मा

दिन-प्रतिदिन वाहनों से बढ़ते प्रदूषण और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए केंद्र सरकार द्वारा वाहन स्क्रैपिंग पॉलिसी तैयार की गई है। इस पॉलिसी से जहां प्रदूषण में कमी आएगी, वहीं ऑटोमोबाइल क्षेत्र में कम लागत के साथ उत्पादन की क्षमता भी बढ़ेगी। केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित वाहन स्क्रैपिंग नीति जल्द ही हरियाणा में लागू होगी। इस नीति की तर्ज़ पर परिवहन विभाग, हरियाणा ने नीति का प्रारूप तैयार कर लिया है, जिसका जल्द ही संबंधित विभागों द्वारा अध्ययन कर मुख्य सचिव को रिपोर्ट सौंप दी जाएगी।

इस नीति के माध्यम से राज्य में इस क्षेत्र में व्यापार को बढ़ावा देने की परिकल्पना की गई है इसलिए नीति को जल्द अंतिम रूप दिया जाएगा और प्रदेश में सभी आवश्यक व्यवस्था की जाएगी। इससे सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि कॉपर, स्टील, एल्युमिनियम, रबड़ और प्लास्टिक आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। देश में ऑटोमोबाइल का एक बड़ा क्षेत्र है जिससे करोड़ों लोगों को रोज़गार मिल रहा है। साथ ही इलैक्ट्रिक वाहनों के प्रति लोगों की रूचि भी बढ़ेगी।

नूंह में वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केंद्र

व्हीकल स्क्रैपिंग पॉलिसी का मुख्य उद्देश्य प्रदूषण फैलाने और ख़राब गुणवत्ता वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से इस्तेमाल से हटाने की व्यवस्था तैयार करना है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में नूंह जिले के फतेहपुर गांव में नई पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया था। यह केंद्र जापान की कैहो सांग्यो और अभिषेक ग्रुप का जॉइन्ट वेंचर है। यह देश का पहला ऐसा प्लांट है जो आधुनिक तकनीक का उपयोग कर वाहनों से अधिकतम संख्या में घटकों को उबारने और पुनः उपयोग करने के लिए तैयार करता है।

मिलेगी कई छूट

वाहनों को पंजीकरण अवधि के अंत में फिटनेस परीक्षण से गुजरना पड़ता है। जहां वाणिज्यिक वाहनों को 10 वर्षों के बाद अनिवार्य परीक्षण की आवश्यकता होती है, जबकि यात्री वाहनों के लिए इसे 15 वर्ष निर्धारित किया गया है। वाहनों की सुविधा के लिए ही हरियाणा में व्हीकल स्क्रैपिंग नीति को जल्द लागू किया जाएगा। वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केंद्र में पुराने वाहनों को नष्ट करने पर नए वाहन खरीदने में कई प्रकार की छूट दी जाएगी। इस पॉलिसी से देश के ऑटोमोबाइल क्षेत्र में उत्पादन क्षमता तेजी से बढ़ेगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय बाज़ार की पहचान बनेगी।

केंद्र द्वारा लाई गई वाहन स्क्रैपिंग नीति से प्रदूषण कम होगा, जबकि कम लागत पर इस क्षेत्र में उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी होगी। इस नीति से सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि तांबा, स्टील, एल्युमीनियम, रबर और प्लास्टिक आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे। केंद्र की आने वाले दिनों में ऐसी कई नई फेसिलिटी को खोलने की योजना है। साल 2024 के आखिर तक नई वाहन स्क्रैपिंग नीति से बड़ी संख्या में रोज़गार पैदा होंगे और यह नीति पर्यावरण की सफाई में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

हर महीने 1,800 वाहन होंगे रिसाइकिल

नूंह का वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केंद इन घटकों को पर्यावरण के अनुकूल तरीके से पिघलाकर और फिर से उपयोग करके स्टील और प्लास्टिक जैसी वस्तुओं को रिसाइकिल करने में मदद करेगी। इस प्लांट में हर महीने 1,800 वाहनों को रिसाइकिल करने की क्षमता है। इस सुविधा केंद्र को चलाने के लिए जिम्मेदार समूह अगले कुछ वर्षों में देशभर में सात से आठ और प्लांट लगाने की योजना बना रहा है।

4 करोड़ लोगों को मिलेगा रोजगार

वाहन स्क्रैपिंग पॉलिसी पिछले साल अगस्त में शुरू की गई थी और इसका मकसद पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को हटाना और बेहतर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। सरकार ने दावा किया है कि यह सामग्री पुनर्चक्रण क्षेत्र देशभर में लगभग चार करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार देगा, और यह संख्या 2025 तक पांच करोड़ तक हो जाने की उम्मीद है स्क्रैप पॉलिसी की लाने पर सरकार ने प्रमुख कारणों में सबसे सुरक्षा का हवाला दिया था। कहा गया था कि 15 से 20 साल पुराने वाहनों में सीट बेल्ट और एयरबैग आदि नहीं होते। इससे दुर्घटना होने पर गाड़ी सवार लोगों की जान जा सकती है। जबकि नए वाहनों में सुरक्षा मानकों पर खूब ध्यान दिया जा रहा है।

वाहन स्क्रैपिंग पॉलिसी को हरियाणा में जल्द लागू करने के संबंध में संबंधित विभाग के अधिकारी फ्रेम वर्क तैयार कर रहे हैं। इस पॉलिसी से प्रदूषण व दुर्घटनाओं की रोकथाम होगी। इसके साथ ही इलैक्ट्रिक वाहनों को लोग प्राथमिकता देने लगेंगे जो पर्यावरण के लिए हितकर होगा।

संजीव कौशल, मुख्य सचिव, हरियाणा

मोटर वाहन कंपनियों को फ़ायदा होगा

इस समय मोटर वाहन कंपनियों को स्टील एवं कुछ अन्य प्रीशस मेटल का आयात करना होता है। पिछले साल करीब 23 हजार करोड़ रुपए का स्क्रैप स्टील भारत को आयात करना पड़ा। भारत में जो स्क्रैपिंग अभी तक होती आ रही है, वह प्रोडक्टिव नहीं है। अब मोटर के स्कैपिंग से प्रोडक्टिव स्क्रैप मिलेगा और मोटर बनाने वाली कंपनियों को कच्चा माल सस्ता मिलेगा।

न्यायमूर्ति दर्शन सिंह (सेवानिवृत्त) को पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। भूतपूर्व कुलपति डॉ. एस के गक्खड़, श्याम लाल जांगड़ा और अनुसूचित जातियों एवं पिछड़े वर्ग कल्याण विभाग के महानिदेशक आयोग के सदस्य बनाए हैं।

कई बिल्डरों द्वारा निर्धारित समय अवधि में अपार्टमेंट/भूखंडों का कब्जा देने में विफल रहने पर रेरा द्वारा जारी आदेशानुसार बिल्डर्स को नब्बे दिनों में बिना किसी चूक के 9.70 प्रतिशत की दर से ब्याज के साथ पैसा देना होगा।

विदेश में बढ़ाया तिरंगे का मान

94 वर्षीय भगवानी देवी ने 'वर्ल्ड मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2022' में जीते तीन पदक

हरियाणा की 94 वर्षीय भगवानी देवी डागर ने फिनलैंड में 'वर्ल्ड मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2022' में एक स्वर्ण व दो कांस्य पदक जीतकर साबित कर दिया है कि कामयाबी की राह में उम्र बाधा नहीं बनती। भगवानी देवी ने सीनियर सिटीजन कैटेगरी में 100 मीटर की रेस में स्प्रिंट इवेंट में महज 24.74 सेकेंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने विदेश में भारत के तिरंगे का माना बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भगवानी देवी को बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि 94 वर्ष की आयु में भगवानी देवी पूरी दुनिया के लिए प्रेरणास्रोत बनी हैं। उनकी ये उपलब्धि युवाओं में जोश भरने का कार्य करेगी। उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जीवन में कुछ हासिल करने के लिए उम्र कोई बाधा नहीं है।

देश का नाम करूंगी रोशन

गत छह महीने में नौ पदक हासिल कर चुकी भगवानी देवी वर्ष 2023 में पॉलैंड में 26 मार्च से 2 अप्रैल तक आयोजित होने वाली 'वर्ल्ड इंटरनेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप' में भाग लेने के लिए उत्साहित है। भगवानी देवी का कहना है कि यदि सेहत साथ देगी तो अवश्य ही वह इस प्रतियोगिता में भाग लेगी। वह कहती है कि 'दूसरे देश में जाऊंगी, जीत कर आऊंगी और देश का नाम रोशन करूंगी'। भगवानी देवी प्रतिदिन दो किलोमीटर सुबह और दो किलोमीटर शाम को सैर करती है। खाना खाने के बाद भी घर में सैर करती हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों में हरियाणा के खिलाड़ी

राष्ट्रमंडल खेलों में हरियाणा के 34 खिलाड़ी विभिन्न स्पर्धाओं में अपना हुनर दिखायेंगे। 19 खेलों की 141 स्पर्धाओं में देश के 215 खिलाड़ी भाग लेंगे। खिलाड़ियों की तैयारियों को देख कर लगता है अब की बार मेडलों का रंग जरूर बदलेगा।

मुक्केबाजीः

48 किलो वजन भार में नीतू (भिवानी),60 किलो वजन भार में जैशमीन (भिवानी) पुरूष वर्ग में 51 किलो वजन भार में अमीत पंघाल (रोहतक), 75 किलो वजन भार में सुमित कुण्डू (जींद)92 किलो वजन भार में संजीत (रोहतक), 92 प्लस किलो वजन भार में सागर (झज्जर) हैं।

कुश्ती :

57 किलो वजन भार में रवि दहिया (सोनीपत), 65 किलो वजन भार वर्ग में बजरंग पूनिया (झज्जर), 74 किलो वजन भार में नवीन (सोनीपत),86 किलो वजन भार में दीपक पूनिया(झज्जर),97 किलो वजन भार में दीपक नेहरा (रोहतक), 125 किलो वजन भार में मोहित (भिवानी)

कुश्ती महिला वर्गः

50 किलो वजन भार में पूजा (सोनीपत),53 किलो वजन भार में विनेश फोगाट(चरखी दादरी),57 किलो वजन भार में अंशुल मलिक (जींद),62 किलो वजन भार में साक्षी मलिक (रोहतक),76 किलो वजन भार में पूजा सिहाग(हिसार)

एथलेटिक्स पुरूष वर्गः

वाक दौड़ में संदीप (महेंद्रगढ़) व अमीत (रोहतक) हैं।

एथलेटिक्स महिला वर्गः डिशकश थ्रो में सीमा पूनिया(सोनीपत),जैवलियन थ्रो में शिल्पा रानी (जींद),शॉट पुट में मनप्रीत कौर (अंबाला)

हॉकी पुरूष वर्गः

सुरेंद्र कुमार (कुरूक्षेत्र), अभिषेक (सोनीपत)

हॉकी महिला वर्गः

सविता पूनिया (सिरसा),उदीता (हिसार),शर्मिला देवी (हिसार),मोनिका (सोनीपत), नेहा (सोनीपत),ज्योति (सोनीपत),निशा (सोनीपत), नवजोत कौर (कुरूक्षेत्र),नवनीत कौर (कुरूक्षेत्र)आदि के नाम प्रमुख हैं।

पैरा खिलाड़ीः

शॉट पुट में शर्मिला (रेवाड़ी) व पूनम (हिसार संतोष (भिवानी) हैं।

एथलेटिक्स पुरूष वर्गः

डिस्कश थ्रो में देवेन्द्र (भिवानी)पावर लिफ्टिंग में सुधीर (सोनीपत) व गीता (सोनीपत) के नाम प्रमुख हैं।

-सुरेंद्र सिंह मलिक

हुनर व प्रतिभा का संगम स्वापन आजीविका मार्ट

संगीता शर्मा

ग्रामीण महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को नये पंख लग रहे हैं। हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन न केवल मेले के माध्यम से उत्पादों को मार्केटिंग की सुविधा प्रदान कर रहा है, बल्कि ऑनलाइन मार्केटिंग जैसे कि फ्लिपकार्ट, ऐमेजॉन, सीएससी ग्रामीण ई-स्टोर के माध्यम से भी इनके सामान की बिक्री करवाने की पहल की है। इससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में दोगुनी मदद मिल रही है। महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्य अपने हुनर व प्रतिभा के बल पर नये-नये उत्पाद बना कर बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भी मात देने में सक्षम हैं।

इस कड़ी में पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित परेड ग्राउंड में हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित 'स्वापन आजीविका मार्ट मेला' महिला स्शक्तिकरण की नई मिसाल साबित हुआ। इस अवसर पर स्वयं सहायता समूहों के लाभपात्रों को ऋण राशि के चैक भी वितरित किए।

विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि हरियाणा सरकार ने मेहनतकश हुनरमंद लोगों के उत्थान के लिए 'हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन' शुरू किया है। इस मिशन के तहत यहां आयोजित यह 'स्वापन आजीविका मार्ट' पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति के उत्थान केंद्रित है।

विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने कहा कि कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए ही मार्ट मेले का आयोजन अब शहर में किया जाएगा, जबकि पूर्व में यह मार्ट गांवों में हाट की तरह लगाई जाती थी, जहां इन चीजों की बिक्री कम होती थी। अब यह मार्ट शहरों में लगाने से बिक्री बढ़ने के साथ-साथ मार्केटिंग के अवसर भी उत्पन्न होंगे।

हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. अमरेन्द्र कौर ने 'स्वापन आजीविका मार्ट' के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि स्वयं मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को बेचने के लिए उनके सपनों को साकार करने के लिए स्वयं यह नाम दिया है।

कुल 81 स्टाल लगाए गए

मेले में प्रदेश के सभी जिलों से आये स्वयं सहायता समूहों के कुल 81 स्टाल लगाए गए, जिसमें जिला के सफल स्वयं सहायता समूहों द्वारा अपने अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। मेले में नूंह जिला से आई असमीना ने हरियाणा की पुरातन कला को जिंदा रखते हुए अपने हाथ से बनी चंगेरी, दरी, गूदड़ी, जूट के बैग, पायदान और पंखे प्रदर्शित किए।

राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति सम्मान से पुरस्कृत गुरुग्राम की क्षितिज स्वयं सहायता समूह पूजा शर्मा की ओर से बेकरी आइटम लोगों के लिए प्रदर्शित किए गए, जिसमें लड्डू, बिस्कुट इत्यादि शामिल रहे।

हैंडमेड उत्पादों को किया पसंद

रोहतक के लाखन माजरा से आई मानता ने अपने स्टाल पर हैंडब्लॉक साड़ी, सूट, दुपट्टे, चद्दर पर गूदड़ी की लोगों के खरीदने के लिए प्रदर्शित की। मानता ने बताया कि उनके हैंडब्लॉक के उत्पादों को बहुत पसंद किया गया है और बिक्री भी अच्छी हुई है। मेले में झज्जर से आई शर्मिला के क्रोशिये के खिलौने भी दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। झज्जर से आई सुजाता ने हाथ से पेंट किए हुए दुपट्टे साड़ियां पेंटिंग लकड़ी का सम्मान तथा मासिक इत्यादि को अपने स्टाल पर प्रदर्शित किया।

स्वादिष्ट व्यंजन

यमुनानगर के जगाधरी खंड से आई रेखा शर्मा का फूड स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। जींद से आए स्वयं सहायता समूह द्वारा मेले में मशरूम व देसी घी की जलेबी व मशरूम के पकौड़े तथा मशरूम व देसी खांड से बने बिस्कुट भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। गुरुग्राम की सरोज द्वारा बनाई गई घीया की मिठाई, घेवर, काजू कतली, मिल्क केक इत्यादि प्रदर्शित किए गए जबकि मोरनी खंड से वीएमडब्ल्यू न्यूट्रास्यूटिकल कंपनी द्वारा मेडिसनल मशरूम व अन्य जड़ी-बूटियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

प्रदेश में मक्का उगाने वाले किसानों को 2,400 रुपए प्रति एकड़ तथा दलहन फसलों के लिए 3,600 रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि को मंजूरी दी है। इससे प्रदेश में तिलहनी और दलहनी फसलों को बढ़ावा मिलेगा।

फसल विविधिकरण के लिए प्रदेश के 10 जिलों में डेंचा, मक्का और दलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए 50 हजार एकड़ भूमि में फसल विविधिकरण की योजनाएं क्रियान्वित की जाएगी।

आया सावन झूम के..

चौगरदे तैं बाग हरा, घनघोर घटा सामण की

मनोज प्रभाकर

सूर्यकवि दादा लख्मीचंद की रागणियों में से एक रागणी के बोल हैं- 'चौगरदे तैं बाग हरा, घनघोर घटा सामण की। छोरी गावैं गीत सुरीले, झूल घली कामण की।' सावण माह के प्राकृतिक सौंदर्य का निरूपण करते हुए कवि ने इसी रागनी में नवयौवनाओं की मस्ती का चित्रण किया है- 'दो छोरियां नै लंगर पकड़या, इधर-उधर तैं आकै। सासू जी का नाक तोड़ ल्याई, लांबा हाथ लफाकै।'

सावण माह में बरसात होने से बाग-बगीचों में हरियाली छा जाती है। निरंतर पूर्वइया बहती है तो माहौल खुशनुमा हो जाता है। युवतियां बाग में जाती हैं और पेड़ों पर पींग डालती और झूलती हैं। इस दौरान उनके बीच क्या-क्या संवाद होता है इसका कविता में बखूबी जिक्र किया गया है।

झूल डलने के साथ ही युवतियों में सिंधारे व कोथली का इंतजार शुरू हो जाता है। लोकगीतों में कोथली का विशेष जिक्र हुआ है। जैसेः नींबा कै निंबोली लागी, सावणिया कद आवैगा। आवैगा मेरा सुंदरा भाई, कोथली कद ल्यावैगा।

कोथली का अर्थ जानने की उत्सुकता हो रही है तो बता दें कि कोथली उस भेंट अथवा उपहार को कहा जाता है जो युवती की ससुराल में उसके पीहर से आता है। इस उपहार में उसके पहनने के लिए नए-नए सूट, चुंदड़ी, चूड़ी व मेहंदी के अलावा

खाने के लिए सुहाली, गुलगुले, पतासे व फल होते हैं। सुहाली व गुलगुले सरसों के तेल में बने होते हैं। इन खाद्य पदार्थों के पीछे मान्यता है कि सरसों के तेल से बने पकवान खाने से वर्षा ऋतु में होने वाली चर्म रोगों से बचाव होता है। यही वजह है कि खासकर ग्रामीण आंचल में इन दिनों में पूड़े व गुलगुले खाने की परंपरा रही है।

सिंधारा, कोथली का ही दूसरा नाम है। लेकिन इसमें तनिक फर्क़ है। सिंधारा केवल उन युवतियों के लिए उपहार होता है जिनकी शादी के बाद पहला सावण माह पीहर यानी अपने मायके में होता है। सिंधारा उसकी ससुराल से आता है, इसे अक्सर ससुर द्वारा लाने की परंपरा रही है।

कोथली युवती का भाई लेकर अपनी बहन की सुसराल जाता है। सांसरे में बहन को भाई के आने का बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। आने के बाद बहन अपने भाई की खूब आवभगत करती है। उसके द्वारा लाई गई सुहाली व पतासे उसकी सास या ननद आस-पड़ौस में बांटती हैं।

पीहर से यह कोथली ताउम्र हर वर्ष आने की परंपरा है। कोथली के इस उपहार को 'सीधा' भी कहा जाता है। लगभग हर परिवार इस परंपरा को जहां तक हो सके निभाने का प्रयास करते हैं और कर रहे हैं। हरियाणवीं लोक संस्कृति में दो रिश्ते नातियों के बीच प्रेम सौहार्द बढ़ाने के यूं तो अनेक अवसर आते हैं लेकिन सावण के ये विशेष उपहार सौहार्द की पींग बढ़ा जाते हैं।

कोथली में स्थानीय पकवान विशेष तौर पर शामिल किए जाते हैं। हरियाणा के देशवाली क्षेत्र में घेवर के बिना यह उपहार अधूरा माना जाता है। बांगड़ में फिरनी को इसमें शामिल किया जाता रहा है।

पं. लखमीचन्द ने सांग 'पद्मावत' में नायिका से कहलवाया है-

लाख टके का हे मां मेरी बीजणा,
हे री कोय धर्‌या पुराणा हो
खड़िए मैं भीजूं हे मां मेरी बाग मं री।
काली घटा छाई हे मां मेरी उगमणी री, इन्द्र बरसै मूसलाधार
खड़िए मैं भीजू हे मां मेरी बाग मं री।

पं. मांगे राम द्वारा रचित 'शकुन्तला-दुष्यन्त' में भरत अपनी मां से कहता है-

चैत बैशाख और जेठ साढ़ मं धूप लागज्या लागण री।
सामण भादवा आसज के मांह प्रेम लागज्या जागण री।।

सावन मदमस्त होकर आता है और उसकी व्यंजना चहुं ओर से प्रतीत होती है। हिसार से डा. राजबाला 'राज' की चार पंक्तियां देखिए-

'झूल सामण की घल रही हे, झुलावै कौण
बांध कै डोर। बलम मेरा दिखदा कोन्या, खड़ी
मैं देखूं चारों ओर। ठंडी फुहार उचाटी लावैं,
कोयल और पपीहे गावैं, वो भी लागैं शोर,
झाल गात की रुकती कोन्या, मारण लागी
जोर।'

सुण छबीले बोल रसीले

पेड़-पौधे लगाओगे तो घणे दिन जी पाओगे

- छबीले बारिश का मौसम आपणे रंग में आ लिया। ईब मौका सै पेड़ पौधे लगावण का। जितणे लगाए जां उतणे लगाणे चाहिएं।

- हां रसीले, बिलकुल मौका सै। ईसा मौका नहीं चूकणा चाहिए। एक-एक माणस नै कई-कई पौधे लगाणे चाहिएं। इतणा ही नहीं। स्कूल कालेज के बालकां नै भी यू पुण्य कमाणा चाहिए।

- हां भाई, पेड़ पौधां की बहुत कमी महसूस करी जा री सै। देख्या नहीं कोरोना के टैम में आक्सीजन की कमी नै क्यूकर परेशान करे थे।

- रसीले, उस टैम में बोहत नुकसान होया। उस टैम की तो याद भी नहीं करणी चाहिए।

- हां याद तो नहीं करणी चाहिए। पर सबक तो लेणा चाहिए। आदमी सबक भी जिबै लेवै सै जिब नुकसान हो ले सै। वरना कोय भड़क ना लेता। न्यू समझे जां सैं, अक ज्यूकर चालर्‌या सै न्यूए चालता रहैगा।

- रसीले, पेड़ पौधां की बहुत जरुरत सै। ईब न्यू देख। गर्मियां में घणी गर्मी और जाड्डां में घणा जाड्डा होवै सै। जिस इलाके में घणे पेड़-पौधे सैं उड़ै इस तरियां की परेशानी कोन्या। ना घणी गर्मी और ना घणा जाड्डा। और तो और जाड्यां में जो धुंध पड़ै सै वो भी पेड़ पौधां की कमी की वजह तैं होवै सै।

- हां भाई फर्क़ साफ सै। जिस इलाके में घणे पेड़ सैं उसमें यो दम घोट्टण आळी गर्मी और हाड फोड़ जाड्डा कोन्या होते। गात नै सुहाज्या सैं।

- छबीले, सरकार तो भतेरी योजना ल्यावै सै। पर पेड़ पौधे लगाकै पर्यावरण की सुरक्षा करण कान्या लोगां का कम ध्यान सै।

- फेर वाए बात। लोग न्यूं समझै सैं अक ईब ज यूकर सबकुछ चालर्‌या सै, न्यूए चालता रहैगा। वे न्यू नहीं सोचते अक हामनै आगली पीढ़ी ताहीं सुथरे मकान तो दे दिए पर साफ सुथरा पर्यावरण तो ना दिया। पयार्वरण सुथरा नहीं होगा तो फेर वे मकान और प्रतिष्ठान के काम आवैंगे? सांस लेण नै साफ सुथरी हवा नहीं होगी तो मकानां नै के सिर पर धरकै नाचैंगे।

- सुण्या सै, जिस इलाके में पेड़-पौधे घणे सैं उड़े के माणसां की उम्र भी ज्यादा हो सै?

- सौ प्रतिशत सही। हिमालय पर्वत के लागते इलाके में रहण आले लोगां की उम्र ज्यादा सै। वे म्हारे की तरियां बीमार भी कोन्या होते। म्हारे आड़ै तो कई ढाल की बीमारी सैं। पेड़-पौधे कम सैं, और खाद यूरिया तै पैदा कर्‌या होया अनाज खावैं। इनकी वजह तैं लाइलाज रोग। और भी कई ढाल की बीमारी होज्या सैं। जिनतैं तावला बुढ़ापा आज्या सै।

- हिमालय क्षेत्र में तो लोग सौ-सौ बरस ताहीं जीवै सैं।

- छबीले, बिमारियां का तो बस पूछै मत। कोए घर इसा नहीं जिसमें दवाई ना खाते हों। परिवार की कमाई का एक हिस्सा तो दवाइयां पै खर्च होज्या सै।

-भाई या तो सेहत पर दो रुपए खर्च करल्यो। ना करे तो बीमारी पै चार रुपए खर्च करणे पड़ैंगे।

- छबीले, दवाई तो सरकारी अस्पताल में फ्री मिलज्यां सैं, पर लोगां नै इसा काम करणा चाहिए अक बीमार ना हों। इसके लिए जरुरी है- सही खान पान और स्वच्छ वातावरण।

-और स्वच्छ वातावरण खातिर जितणे ज्यादा हो सकैं उतणे पेड़ पौधे लगाओ। लगाओ और उनकी रोज देखभाल करो। इसतैं आपणा भी भला होगा और आणे वाली पीढ़ियां का भी होगा।

- म्हारा ए नहीं, पशु-पक्षियों का भी भला होगा। आज भी होगा और कल भी होगा।

-छबीले यो पेड़ पौधे लगाणे का तो सरकार के साथ मिलकै एक जोरदार अभियान शुरू कर देणा चाहिए। बच्चे-बच्चे और आदमी-आदमी नै जित भी खाली जगहां दिखज्या पौधा लगा देणा चाहिए। जरुरत हो तै उसकी बाउंड्री भी करणी चाहिए ताकि पशु उसनै नुकसान ना पहुंचा सकैं।

- मैं तो न्यू कहूं छबीले पेड़ कटाई पै पूर्ण रूप तैं प्रतिबंध लग जाणा चाहिए। बहुत जरुरी हो तो पेड़ काट्या जा, वो भी प्रशासन तैं परमिशन लेकै।

-रसीले, मनोहर सरकार नै एक योजना चलाई सै। प्रदेश में जो पेड़ 75 बरस के सैं उनकी पेंशन बांधी सै। एक पेड़ के 2500 रुपए।

-इसका के मतलब?

- इसका मतलब जिस क्षेत्र में ये बुजुर्ग पेड़ होंगे उस पंचायत या संस्था को इस तरह के पेड़ों की देखभाल और सुरक्षा के लिए हर साल 2500 रुपए दिए जाएंगे।

- अच्छी सेहत और अच्छी जिंदगी चाहिए तो ज्यादा से ज्यादा पेड़-पौधे लगाणे पड़ैंगे। ताकि उनका फायदा मिलै, जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी।

- मनोज प्रभाकर

ओ सावन के बादल

ओ सावन के बादल जाकर देना इतनी सिर्फ निशानी ।
भय्या के हाथों को छूकर देना इन आंखों का पानी
बाबूजी से पीर मेरी कोई भी मत कह देना सुन ले ।
कहना गुड्डी बिटिया तो हो गई है अब ससुराल की रानी
मेरा नाम सुनेंगीं जब तो हुलस हुलस कर वो रोऐंगीं ।
अम्मा की आंखों से ममता बह निकलेगी बनकर पानी
पिंजरे का हीरामन अब भी गुड्डी-गुड्डी रटता होगा ।
कह देना तेरी वो गुड्डी हो गई है अब बहू सयानी
घर के इक कोने में मेरी गुड़िया भी रक्खी हो शायद।
कहना याद बहुत आती है तेरी लाडो बिटिया रानी
अमरूदों के बाग में जाकर माली काका से कहना ये।
चोरी के अमरूदों की यादें हैं अब तो सिर्फ कहानी
पिछवाड़े के नीम पे झूला डाला होगा काकाजी ने ।
उस झूले पर बैठ हुमकना पुरवय्या होगी मस्तानी
नदिया के कानों में थोड़ा शरमा कर ये बतला देना।
आते माघ पूस तक बन जाएगी तू अम्मा से नानी
आंगन के तुलसी चौरे पर कर आना तू संजा बाती ।
और कहना आशीष बनाए रखना तुलसी माता रानी।।

पंकज सुबीर

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com